साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 47 | गोंदिया : गुरुवार, 1 से 7 जुलाई 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

समय पर धान मिलिंग ना करने वाले मिलर्स पर होगा मामला दर्ज

कोरोना तीसरे चरण के लिए जिला प्रशासन सजग – पालकमंत्री नवाब मलिक

गोंदिया – जिले के पालकमंत्री नवाब मलिक द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय के सभागृह में आयोजित पत्र परिषद में जानकारी दी कि कोरोना के आगामी तीसरे चरण की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है तथा इसके लिए अतिरिक्त तैयारियां की गई है। साथ ही जिले में धान मिलिंग समय पर न करने वाले मिलर्स पर कार्यवाही करने का आदेश दिया गया है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के पालकमंत्री नवाब मलिक २५ जून को गोंदिया जिले के दौरे पर आगमन हुआ था। इस दौरान जिलाधिकारी कार्यालय के सभागृह में आयोजित पत्र परिषद में उन्होंने जानकारी दी कि कोरोना संक्रमण के दूसरे चरण से अब गोंदिया जिला पूर्ण रुप से मुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। वर्तमान में मरीजों की संख्या १ प्रतिशत से भी कम आ रही है तथा जांच का प्रमाण अधिक बढ़ा दिया गया है। तीसरे चरण की संभावना विशेषज्ञों द्वारा जताई गई है जो जुलाई माह में आने की संभावना है। जिसके चलते गोदिया जिले में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के साथ ही जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है। वर्तमान स्थिति में शासकीय चिकित्सालयो में ११०० तथा निजी चिकित्सालय में ९०० इस प्रकार २००० बिस्तरों की क्षमता बढ़ाई गई है। साथ ही आगामी संक्रमण में बच्चों को अधिक प्रभावित किए जाने की शासकीय चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज में बच्चों के विशेष कक्ष बनाए गए हैं। साथ ही ऑक्सीजन बेड की कमी को देखते हुए और अधिक कार्य किया जा रहा है तथा जिले में छह ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट में से एक का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा शेष पांच का निर्माण भी जल्द ही हो जाएगा। टीकाकरण की गति भी जिले में अन्य जिलों की तुलना में काफी अच्छी है। लेकिन फिर भी टीकाकरण की स्थिति और बढ़ाई जाएंगे। जिसके लिए ३०,००० वैक्सीन जिले को एक-दो दिन में उपलब्ध हो जाएंगी। आयोजित पत्र परिषद में जिला अधिकारी राजेश खवले, जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डांगे व पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे उपस्थित थे।

फसल कर्ज का लक्ष्य पूरा न करने वाले बैंकों से बंद किए जाएंगे शासकीय खाते

जिले में खरीफ फसल बुवाई की शुरुआत हो चुकी है। जिसमें किसानों को फसल कर्ज उपलब्ध कराने का लक्ष्य जिन शासकीय बैंकों को दिया गया है वह कर्ज वितरण में अपना लक्ष्य पूरा न करने पर उन बैंकों से शासकीय खाते बंद कर लक्ष्य पूरा करने वाले बैंकों में खोलने का निर्देश पालक मंत्री द्वारा जिला प्रशासन को दिया गया है। साथ ही उन्होंने आगे बताया कि जिला अग्रणी बैंक द्वारा ७० प्रतिशत कर्ज वितरण किया गया है लेकिन अन्य निजी बैंकों द्वारा मात्र ११ प्रतिशत ही लक्ष्य पूरा किया गया है। साथ ही जिले में जिन किसानों का ऑनलाईन पंजीयन हो चुका है, उनसे रबी धान की खरीदी के लिए १५ जुलाई तक समय सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव जिला प्रशासन के माध्यम से मंत्रालय को भेजा गया है।

खाद व बिजाई की कमी नहीं

गोंदिया जिले में खरीफ मौसम के लिए खाद व बिजाई की कमी नहीं है। इसका भरपूर स्टॉक जिले में में उपलब्ध है।

समय पर मिलिंग ना करने वाले मिलर्स पर होगी कार्रवाई

गोंदिया जिले में खरीफ मौसम व रबी मौसम की खरीदी के धान की मिलिंग का कार्य करीब ७० प्रतिशत मिलर्स द्वारा शुरु किया गया है। जिन मिलर्स को धान मिलिंग की मंजूरी मिली है लेकिन समय पर मिलिंग शुरु नहीं किए जाने पर उनके खिलाफ आपदा प्रबंधन कानून के तहत कार्यवाही किए जाने का निर्देश जिला प्रशासन को दिया गया है। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कार्रवाई का आदेश निकाला गया है।

मंडल आयोग का विरोध करने वाले ओबीसी आंदोलन की कर रहे नौटंकी

इस अवसर पर अन्य सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जब देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने मंडल आयोग कमीशन की घोषणा की थी, तब भाजपा द्वारा सरकार से समर्थन वापस लेकर मंडल आयोग के विरोध में आंदोलन किया था। जिससे ओबीसी को नुकसान हुआ था। लेकिन आज वही ओबीसी आरक्षण का मुद्दा लेकर आंदोलन की नौटंकी कर रहे हैं। हालांकि लोकतंत्र में सभी को आंदोलन करने का अधिकार है, लेकिन भाजपा को नैतिक रुप से ओबीसी के हितों के लिए आरक्षण करने का अधिकार ही नहीं है।

सीबीआई व ईडी का दुरुपयोग

भाजपा सरकार के पास जनता की ताकत नहीं बची है। इसलिए वे सीबीआई व ईडी का दुरुपयोग कर रहे हैं। जिसके चलते राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता व पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के मुंबई व नागपुर निवास स्थान पर कार्यवाही की जा रही है। साथ ही जिन राज्यों में चुनाव होते हैं वहां इन सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर विरोधी पक्ष के नेताओं को डराने और धमकाने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन बंगाल में अब स्थिति विपरीत दिखाई दी जिसके चलते मुकुल राय वापस तृणमूल कांग्रेस में लौट गए।

५ करोड़ के नकली नोट सहित ८ आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट जिले के ६ व गोंदिया जिले के २ आरोपियों का समावेश

गोंदिया जिले के पड़ोसी राज्य के जिले बालाघाट पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए ५ करोड़ के नकली नोट सहित ८ आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। जप्त किए गए नकली नोटों में १० रुपये से लेकर २००० रुपये तक के नोटों का समावेश है। गिरफ्तार किए गए ८ आरोपियों में से ६ बालाघाट जिले के व २ गोंदिया जिले के आरोपियों का समावेश है।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के बालाघाट व महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में गत कुछ दिनों से बड़ी संख्या में नकली नोटों का कारोबार हो रहा था। इस संदर्भ में बालाघाट पुलिस को गुप्त जानकारी प्राप्त होने के पश्चात विशेष ऑपरेशन चलाते हुए एक आरोपी को ८ लाख रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया गया। जिससे कड़ी पूछताछ किए जाने के पश्चात पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई कि यह कार्य बड़े पैमाने पर हो रहा है तथा नोटों की संख्या करोड़ों में है। जिसके पश्चात बालाघाट से ६ आरोपियों को हिरासत में लिया। पश्चात गोंदिया पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए गोंदिया जिले से २ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से १० रुपये से लेकर २००० रुपये तक के ५ करोड़ रुपये के नकली नोट बरामद किए गए। इस प्रकार की जानकारी बालाघाट जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा पत्र परिषद में दी गई।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि नोटों के कागज की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि आसानी से नकली नोटों की पहचान नहीं की जा सकती। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में बैहर विभाग के उप विभागीय अधिकारी आदित्य मिश्रा के नेतृत्व में करते हुए नोट सहित ८ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें किरणापुर थाना अंतर्गत ग्राम सेवती निवासी राहुल घनश्याम मेश्राम (२५), रमगढ़ी निवासी अनंतराम जंगली पाचे (३८), बिनौरा निवासी हरीराम रामेश्वर पाचे (३३), रमगढ़ी निवासी सोहनलाल भजनलाल बिसेन (३०), सेवती निवासी हेमंत आत्माराम ऊके (३०) तथा उकवा चौकी अंतर्गत आने वाले सोनपुरी निवासी नान्हूराम किशनलाल विश्वकर्मा के साथ ही गोंदिया जिले के डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम कनेरी निवासी मुकुरु उर्फ मुकेश वक्तु तवाड़े, गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम घूमरा निवासी रामू उफ्र रामेश्वर रंगलाल (४०) को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में और अधिक आरोपियों के सामने आने की संभावना है। उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ बैहर पुलिस थाने में भादवि की धारा ४८९, क,ख,ग,घ,ड तथा ३४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच उपविभागीय पोलीस अधिकारी द्वारा की जा रही है।

मवेशियों को खुला छोड़ने वाले मालिकों पर होगा फौजदारी मामला दर्ज - महादेव तोंदले

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव – शहर के प्रमुख मार्गों पर रात दिन मवेशियों का जमघट बना रहता है। जिससे यातायात में बाधा निर्माण होने के साथ ही दुर्घटना भी घटित होती है। नागरिकों व यातायात की सुरक्षा की दृष्टि से अब पालतू मवेशियों को खुला छोड़ने वाले मालिकों पर फौजदारी का मामला दर्ज करने का आदेश अर्जुनी मोरगांव के पुलिस निरीक्षक महादेव तोंदले ने लिया है। गौरतलब है कि अर्जुनी मोरगांव के विभिन्न स्थानों बाजार बैंक शासकीय कार्यालय में भारी भीड़ रहने के साथ ही भारी वाहनों का आवागमन व शहर के मुख्य मार्ग रेलवे गेट, महाराणा प्रताप चौक, विद्युत वितरण कार्यालय इस मार्ग पर बड़े पैमाने पर पालतू मवेशी खुलेआम रात दिन भटकते हैं। जिसके चलते मार्ग का यातायात बाधित हो जाता है। कई बार तो मार्ग के बीचो-बीच मवेशियों के बैठ जाने से वाहन निकल नहीं सकते जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना घटित होने से इनकार नहीं किया जा सकता। परिसर के गोपालक अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं जिससे सामान्य नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए अब पुलिस प्रशासन द्वारा लावारिस स्थिति में मवेशियों को छोड़ने वाले पशु मालिकों पर फौजदारी का मामला दर्ज किया जाएगा। इस प्रकार की जानकारी अर्जुनी मोरगांव के पुलिस निरीक्षक महादेव तोंदले द्वारा एक परिपत्रक के माध्यम से दी है। साथ ही आवाहन किया है कि अपने पालतू मवेशियों की सुरक्षा पशुपालक स्वयं करें अन्यथा उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीबीएससी शाला संचालक न ले एकमुश्त फीस, किस्त की दे सुविधा

शिक्षणाधिकारी को मनसे ने ज्ञापन देकर की मांग

गोंदिया – कोरोना संक्रमण लॉकडाऊन में सभी शालायें बंद है। इसके बावजूद सीबीएसई स्कूल के संचालकों द्वारा फिस का तगादा लगाया जा रहा है। इस संदर्भ में मनसे द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक को ज्ञापन देकर मांग की है कि पालकों की स्थिति को देखते हुए किस्तों में फीस भरने की सुविधा दी जाए। गौरतलब है कि लॉकडाऊन के चलते सभी पालकों की आर्थिक स्थिति डगमगा चुकी है। जिस पर सीबीएसई स्कूल संचालकों द्वारा पालकों पर फीस भरने के लिए दबाव डाला जा रहा है। इस संदर्भ में मनसे द्वारा शिक्षणाधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि सीबीएससी शालाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के पालकों को किस्तों में फीस भरने की सुविधा दी जाए। साथ ही जिला परिषद, नगर परिषद क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों से पास मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप की सुविधा ना होने के चलते वह ऑनलाईन शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। शासन के माध्यम से ऐसे गरीब विद्यार्थियों को मोबाइल अथवा लैपटॉप की व्यवस्था की जाए, जिससे वे ऑनलाईन शिक्षा से वंचित ना रहे। शासन द्वारा ऑनलाईन शिक्षा देने का निर्णय तो लिया है लेकिन यह विचार नहीं किया कि विद्यार्थियों के पास मोबाइल की सुविधा है या नहीं तथा अनेक क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा ना होने से वह शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। इस संदर्भ में शिक्षणाधिकारी द्वारा बताया गया कि विभाग द्वारा चलो अभ्यास करें यह उपकरण शुरु किया जा रहा है जिसके माध्यम से सभी शिक्षक वर्ग सभी विद्यार्थियों के घर घर जाकर शिक्षा देंगे जिससे किसी भी विद्यार्थियों को परेशानी ना हो। उपरोक्त निवेदन देते समय महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के गोंदिया तहसील अध्यक्ष सुरेश ठाकरे, शहर अध्यक्ष राजेश नागोसे, उपाध्यक्ष क्षितिज वैद्य, रजत बागडे, कुणाल सहारे अनिकेत रणगिरे व मनसे सैनिक उपस्थित थे।

विधायक विनोद अग्रवाल ने 'विकासशील हो गाँव हमारा' का दिया मूलमंत्र

गोंदिया – जनता के विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा हाल ही में उनके चाबी संगठन के माध्यम से ४ माह पूर्व नवनिर्वाचित हुए क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंच-उपसरपंचों का सत्कार किया गया।

कोविड संकट के चलते नवनिर्वाचित सरपंच-उपसरपंचों का सत्कार नहीं किया जा सका था। अब गोंदिया जिले सहित विधानसभा क्षेत्र में कोविड की सकारात्मकता दर कम होने व सीमित दायरे में कार्यक्रम लेने की अनुमति शासकीयस्तर पर प्राप्त होने से शहर के अग्रसेन भवन में सरपंच-उपसरपंचों का सत्कार समारोह चाबी संगठन के माध्यम से किया गया।

इस कार्यक्रम में विधायक विनोद अग्रवाल की अध्यक्षता में चाबी संगठन के जिला संयोजक भाऊराव ऊके, तहसील अध्यक्ष छत्रपाल तुरकर, मुनेश रहांगडाले, चेताली नागपुरे, रेखा लिल्हारे, जीतलाल पाचे, कमलेश सोनवाने, परसराम हुमे, पन्नालाल मचाडे, मोहनभाऊ गौतम, सुजितभाऊ येवले, रोहित अग्रवाल, अजित टेंभरे आदि प्रमुख रुप से पदाधिकारी उपस्थित थे ।

विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा सभी नवनिर्वाचित सरपंच और उपसरपंचों को शाल-श्रीफल देकर उनका सत्कार किया गया। इस सत्कार समारोह के दौरान विधायक अग्रवाल ने **विकासशील हो गांव हमारा** का मूलमंत्र देकर उनकी हौसला अफजाई की।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, हमें जनता ने अपना जनप्रतिनिधित्व सौंपा है। हमारा पहला दायित्व उनके विश्वास पर खरा उतरना है। हमारा प्रयास रहना चाहिए कि उनके हर कार्य पूरे हो एवं उन्हें बुनियादी सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो। उन्होंने कहा हमारा गांव विकासशील हो इस मूलमंत्र में मैं कटिबद्धता से आपके साथ खड़ा हूं। गांव से लेकर शहर तक पूरे विधानसभा क्षेत्र को विकसित करने मेरे प्रयास निरन्तर जारी है।

विकास रथ के हम चार पहिएं..

अग्रवाल ने कहा, हम विकास के चार पहिये है, अब हमें इस विकास रथ को आगे बढ़ाने आगामी जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव पर मजबूती से कार्य करना होगा। हमें सिर्फ रोड-रास्तों का विकास नहीं, गांव के सभी बुनियादी कार्य के साथ ही अंतिम छोर के व्यक्ति को साधन-संपन्न करने का कार्य करना है।

सत्कारमूर्तियों का किया गया सत्कार..

चाबी संगठन के कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित सरपंच-उपसरपंचो में गर्रा के सरपंच कुलदीप पटले, उपसरपंच आशीष मिश्रा, खमारी के सरपंच होमेन्द्र भांडरकर, उपसरपंच लीला ऊके, मोगर्रा सरपंच रिता रोशनलाल लिल्हारे, उपसरपंच दिलीपसिंह मुंडेले, पोवारीटोला सरपंच किरण चौधरी, उपसरपंच सुनील ब्राम्हणकर, कोचेवाही सरपंच दीपिका बिसेन, उपसरपंच सोविंद नागफासे, काटी सरपंच सुषमा ऊके, उपसरपंच अनिल मते, कोरणी उपसरपंच हनसलाल ठाकरे, चुटिया सरपंच कैलाश गजभिए, उपसरपंच अजित टेंभरे, तुमखेड़ा खुर्द सरपंच सौ.नंदेश्वर, नागरा सरपंच धनलाल नागपुरे, उपसरपंच नरेश नागरिकर, सोनबीहरी सरपंच तुलसी बोहने, उपसरपंच कंसारे, गिरोला उपसरपंच प्रदीप न्यायकरे, छिपिया सरपंच अनामिका बहेकार, उपसरपंच अनमोल ऊके, नवेगांव सरपंच लता टेकाम, बनाथर उपसरपंच फागुलाल नागफासे आदि सत्कारमूर्तियो का शाल-श्रीफल देकर सत्कार किया गया।

नगर परिषद क्षेत्र के विकास कार्यों संबंधित मंत्रलय में सभा

सांसद प्रफुल पटेल की पहल

गोंदिया-भंडारा जिले की नगर परिषद व नगर पंचायत क्षेत्र के विकास संबंधित कार्यों के लिए सांसद प्रफुल पटेल की पहल पर नगर विकास मंत्री की उपस्थिति में २९ जून को महाराष्ट्र मार्ग विकास महामंडल कार्यालय मलाबार हिल में सभा आयोजित की गई है। आयोजित सभा में दोनों जिलों के नगर परिषद, नगर पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों के संबंधित चर्चा कर विकास कार्य जल्द से जल्द शुरु किए जाएंगे। आयोजित सभा में सांसद प्रफुल पटेल, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव, दोनों जिलों के जिलाधिकारी, नगर परिषद मुख्य अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिससे दोनों जिलों के विभिन्न कार्य को मंजूरी देकर शुरु करने संबंधित चर्चा की जाएंगी।

संपादकिय

डेल्टा वैरिएंट ने बढ़ाई फिक्र

कोरोना वायरस का जो नया रुप दुनिया भर में डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को चिंतित किए हुए है, वह है डेल्टा वैरिएंट। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने इसे वैरिएंट ऑफ कंसर्न यानी वायरस का चिंताजनक रुप कहा है। वैसे तो यह कई देशों में मौजूदगी दर्ज करा चुका है, लेकिन ब्रिटेन तो जैसे इसकी गिरफ्त में आ चुका है। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) के आंकड़ों के मुताबिक, वहां इकट्ठा किए जा रहे सैंपल्स में ६१ फीसदी मामले डेल्टा वैरिएंट के ही हैं। इसका मतलब यह है कि वहां पिछले साल गदर मचा देने वाले अल्फा वैरिएंट से भी ज्यादा मजबूत स्थिति में डेल्टा वैरिएंट आ गया है। ध्यान रहे किसी वैरिएंट को चिंताजनक श्रेणी में तब डाला जाता है, जब उसकी बढ़ी हुई संक्रामक क्षमता और मरीज को अस्पताल ले जाने की बढ़ी हुई जरुरत के सबूत उपलब्ध हों। इन दोनों ही मोर्चों पर इसकी मजबूती इसे न केवल इंग्लैंड जैसे देशों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के स्तर पर खतरनाक बनाती है। गौर करने की बात यह भी है कि मामला डेल्टा वैरिएंट तक ही सीमित नहीं रहा। इसका और परिष्कृत रुप भी आ गया है जिसे डेल्टा प्लस कहा जा रहा है।

भारत में अभी इसके मरीजों की संख्या ज्यादा नहीं है, बावजूद इसके महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग ने चेताया है कि यही डेल्टा प्लस वैरिएंट कोरोना महामारी की तीसरी लहर का कारण बन सकता है। स्वाभाविक रुप से सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को इसके लिए तैयार करने की कवायद शुरु कर दी है, लेकिन एक तो ऐसी सारी कवायद की आखिरी परीक्षा लहर आने के बाद ही होती है। तभी यह पता लगता है कि सरकार के निर्देश किस हद तक जमीन पर उतरे और दरअसल उसका कितना फायदा प्रभावित लोगों तक पहुंचाया जा सका। मगर उससे ज्यादा जरुरी है

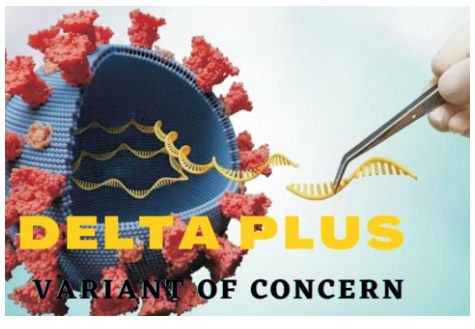

खुद को बार-बार याद दिलाना कि वायरस के खिलाफ यह जंग लड़ना और जीतना अकेले सरकार के बूते की बात है ही नहीं। यह लड़ाई तभी जीती जा सकती है, जब एक-एक नागरिक पूरी जागरुकता, सावधानी और शिद्दत से इसमें भागीदारी करे। विशेषज्ञों के मुताबिक अब तक के ऑब्जर्वेशन से यह स्पष्ट है कि वैक्सीन इस वैरिएंट पर भी कारगर हैं। अपने यहां वैक्सिनेशन अभियान में आई थोड़ी सुस्ती इस संदर्भ में चिंता की एक अतिरिक्त बात हो सकती है, लेकिन ताजा प्रयासों की बदौलत उम्मीद है कि यह अभियान जल्दी ही जोर पकड़ेगा। ऐसे में आम लोगों का सहयोग दो स्तरों पर निर्णायक साबित हो सकता है। एक तो यह कि टीका लगवाने को लेकर उदासीनता हर हाल में जल्द से जल्द खत्म की जाए और दूसरा, अनलॉक के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल के पालन में वैसी लापरवाही बिल्कुल न हो, जैसी पहली लहर के उतार के बाद दिखाई गई थी।

छत्रपति शाहू महाराज

छत्रपति शाहू महाराज को भारत में एक सच्चे प्रजातंत्रवादी और समाज सुधारक के रुप में जाना जाता था। वे कोल्हापुर के इतिहास में एक अमूल्य मणि के रुप में आज भी प्रसिद्ध हैं। छत्रपति शाहू महाराज ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने राजा होते हुए भी दलित और शोषित वर्ग के कष्ट को समझा और सदा उनसे निकटता बनाए रखी। उन्होंने दलित वर्ग के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरु की थी। गरीब छात्रों के छात्रावास स्थापित किये और बाहरी छात्रों को शरण प्रदान करने के आदेश दिए। शाहू महाराज के शासन के दौरान **बाल विवाह** पर ईमानदारी से प्रतिबंधित लगाया गया। उनके पिता का नाम **श्रीमंत जयसिंह राव आबासाहब घाटगे** था। छत्रपति शाहू महाराज का बचपन का नाम **यशवंतराव** था। छत्रपति शिवाजी महाराज (प्रथम) के दूसरे पुत्र के वंशज शिवाजी चतुर्थ कोल्हापुर में राज्य करते थे।

राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज का जन्म २६ जून १८७४ में हुआ था। उनके बचपन का नाम यशवंतराव था। बाल्य-अवस्था में ही बालक यशवंतराव को छत्रपति शाहू महाराज की हैसियत से कोल्हापुर रियासत की राजगद्दी को सम्भालना पड़ा था।

छत्रपति शाहू महाराज की माता **राधाबाई** मुधोल राज्य की राजकन्या थी। पिता जयसिंग राव उर्फ अबासाहेब घाटगे कागल निवासी थे। उनके दत्तक पिता शिवाजी चतुर्थ व दत्तक माता आनंदी बाई थी। राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज केवल ३ वर्ष के थे तभी उनकी सगी मां राधाबाई २० मार्च १९७७ को मृत्यु को प्राप्त हुई। छत्रपति संभाजी की मां का देहांत बचपन में ही हुआ था। इसलिए उनका लालन-पालन जिजाबाई ने किया था। छत्रपति शाहू महाराज की उम्र जब २० वर्ष थी, उनके पिता आबासाहेब घाटगे की मृत्यु (२० मार्च १८८६) हुई थी।

छत्रपति शिवाजी महाराज (प्रथम) के दूसरे पुत्र के वंशज शिवाजी (चतुर्थ) कोल्हापुर में राज्य करते थे। ब्रिटिश षडयंत्र और अपने ब्रामिण दीवान की गद्दारी की वजह से जब शिवाजी (चतुर्थ) का कत्ल हुआ, तो उसकी विधवा आनंदीबाई ने अपने एक जागीरदार अबासाहेब घाटगे के पुत्र यशवंतराव को १७ मार्च सन् १८८४ में गोद लिया था। अब उनका नाम शाहू छत्रपति महाराज हो गया था।

छत्रपति शाहू महाराज की शिक्षा राजकोट के राजकुमार विद्यालय में हुई थी। प्रारंभिक शिक्षा के बाद आगे की पढ़ाई रजवाड़े में ही एक अंग्रेज शिक्षक **स्टुअर्ट मिटफर्ड फ्रेजर** के जिम्मे सौंपी गई थी। अंग्रेजी शिक्षक और अंग्रजी शिक्षा का प्रभाव छत्रपति शाहू महाराज के दिलों-दिमाग पर गहराई से पड़ा था। वैज्ञानिक सोच को न सिर्फ वे मानते थे बल्कि इसे बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास करते थे। पुरानी प्रथा, परम्परा अथवा काल्पनिक बातों को वे महत्व नहीं देते थे।

दलितों की दशा में बदलाव लाने के लिए उन्होंने दो ऐसी विशेष प्रथाओं का अंत किया जो युगांतरकारी साबित हुई। पहला, १९१७ में उन्होंने उस **बलूतदारी-प्रथा** का अंत किया, जिसके तहत एक अछूत को थोड़ी सी जमीन देकर बदले में उससे और उसके परिवार वालों से पूरे गांव के लिए मुफ्त सेवाएं ली जाती थीं। इसी तरह १९१८ में उन्होंने कानून बनाकर राज्य की एक और पुरानी प्रथा **वतनदारी** का अंत किया तथा भूमि सुधार लागू कर महारों को भू-स्वामी बनने का हक दिलाया। इस आदेश से महारों की आर्थिक गुलामी काफी हद तक दूर हो गई। दलित हितैषी उसी कोल्हापुर नरेश ने १९२० में मनमाड़ में दलितों की विशाल सभा में सगर्व घोषणा करते हुए कहा था- **मुझे लगता है आंबेडकर के रुप में तुम्हे तुम्हारा मुक्तिदाता मिल गया है। मुझे उम्मीद है वो तुम्हारी गुलामी की बेड़ियां काट डालेंगे।** उन्होंने दलितों के मुक्तिदाता की महज जुबानी प्रशंसा नहीं की बल्कि उनकी अधूरी पड़ी विदेशी शिक्षा पूरी करने तथा दलित-मुक्ति के लिए राजनीति को हथियार बनाने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान किया। किन्तु वर्ण-व्यवस्था में शक्ति के स्त्रोतों से बहिष्कृत तबकों के हित में किये गए ढेरों कार्यों के बावजूद इतिहास में उन्हें जिस बात के लिए खास तौर से याद किया जाता है, वह है उनके द्वारा किया गया आरक्षण का प्रावधान।

आरक्षण की व्यवस्था

सन १९०२ के मध्य में शाहू महाराज इंग्लैंड गए हुए थे। उन्होंने वहीं से एक आदेश जारी कर कोल्हापुर के अंतर्गत शासन-प्रशासन के ५० प्रतिशत पद पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित कर दिये। महाराज के इस आदेश से कोल्हापुर के ब्राम्हणों पर जैसे गाज गिर गयी। उल्लेखनीय है कि सन १८९४ में, जब शाहू महाराज ने राज्य की बागडोर सम्भाली थी, उस समय कोल्हापुर के सामान्य प्रशासन में कुल ७१ पदों में से ६० पर ब्राम्हण अधिकारी नियुक्त थे। इसी प्रकार लिपिकीय पद के ५०० पदों में से मात्र १० पर गैर-ब्राम्हण थे। शाहू महाराज द्वारा पिछड़ी जातियों को अवसर उपलब्ध कराने के कारण सन १९१२ में ९५ पदों में से ब्राम्हण अधिकारियों की संख्या अब ३५ रह गई थी। सन १९०३ में शाहू महाराज ने कोल्हापुर स्थित शंकराचार्य मठ की सम्पत्ति जप्त करने का आदेश दिया। दरअसल, मठ को राज्य के खजाने से भारी मदद दी जाती थी। कोल्हापुर के पूर्व महाराजा द्वारा अगस्त, १८६३ में प्रसारित एक आदेश के अनुसार, कोल्हापुर स्थित मठ के शंकराचार्य को अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति से पहले महाराजा से अनुमति लेनी आवश्यक थी, परन्तु तत्कालीन शंकराचार्य उक्त आदेश को दरकिनार करते हुए शंकेश्वर मठ में रहने चले गए थे, जो कोल्हापुर रियासत के बाहर था। २३ फरवरी, १९०३ को शंकराचार्य ने अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति की थी। यह नए शंकराचार्य लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के करीबी थे। १० जुलाई, १९०५ को इन्हीं शंकराचार्य ने घोषणा की कि- चूंकि कोल्हापुर भोसले वंश की जागीर रही है, जो कि क्षत्रिय घराना था। इसलिए राजगद्दी के उत्तराधिकारी छत्रपति शाहू महाराज स्वाभविक रुप से क्षत्रिय हैं।

निधन

छत्रपति शाहूजी महाराज का निधन १० मई, १९२२ मुम्बई में हुआ। महाराज ने पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता दी थी। छत्रपति ने अपने साम्राज्य में महिलाओं की स्थितियों के सुधार की दिशा में भी काम किया। उन्होंने महिलाओं को शिक्षित करने के लिए स्कूलों की स्थापना की, और महिलाओं की शिक्षा के विषय पर जोरदार बात की। उन्होंने देवदासी प्रथा पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून की शुरुआत की। उनका समाज के किसी भी वर्ग से किसी भी प्रकार का द्वेष नहीं था। शाहू महाराज के मन में दलित वर्ग के प्रति गहरा लगाव था। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन की दिशा में जो क्रान्तिकारी उपाय किये थे, वह इतिहास में याद रखे जायेंगे।

आज की बात...

समर्पण किसके लिए...?

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

आज के हमारे इस सांसारिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। इस उतार-चढ़ाव वाले सफर में जीवन की राह पर हमें कई ऐसे लोग मिलते हैं जिन्होंने हमारे लिए समय-समय पर किसी न किसी प्रकार का समर्पण किया ही होगा और हमने भी ऐसे समर्पित लोगों के लिए अपने मन में हमेशा समर्पण का भाव रखा होगा। अब मन में एक प्रश्न अवश्य ही उठता होगा कि समर्पण की भावना किस व्यक्ति विशेष के लिए रखनी चाहिए? आइए, आज हम सभी मिलकर समर्पण की भावना के महत्व पर सोच-विचार करेंगे कि आखिर समर्पण किसके लिए किया जाना चाहिए?

समर्पण घड़ी की सुईयों के समान होता है। किसी के द्वारा किया गया समर्पण घड़ी की छोटी सुई के समान होता है, जो दिखने में तो छोटा लगता है परंतु उसका महत्व बहुत बड़ा होता है। वहीं दूसरी ओर किसी के द्वारा किया गया समर्पण घड़ी की मिनट वाली बड़ी सुई के समान होता है जिसका महत्व तो छोटा होता है पर उसका दिखावा बहुत बड़ा किया जाता है।

मैंने तो कुछ लोग ऐसे भी देखें हैं जो अपने द्वारा किए गए थोड़े से समर्पण के बदले में जीवन भर का अहसान दर्शाने का प्रयास करते रहते हैं। ऐसे लोग किसी के प्रति किए गए समर्पण को एक हथियार के रुप में उपयोग करने की कोशिश करते रहते हैं। ये लोग अपने द्वारा किए गए समर्पण को सबसे बड़ा और कीमती समझते हैं। ऐसे ही विशेष प्रवृत्ति वाले लोग अपने छोटे से समर्पण का उपकार (अहसान) दिखाने में तनिक भी देर नहीं करते। अब आप ही बताइए ऐसे समर्पण को क्या कहा जाएगा? ऐसे लोगों को समर्पण के बदले में जल्दी ही उन्हें कुछ न कुछ वापस अवश्य दिया जाना चाहिए, अन्यथा ये लोग उपकार जताकर वापस अपना हक मांगने में भी देर नहीं करते।

साथियों, किसी के लिए किया गया समर्पण कभी भी निस्वार्थ रुप से ही होना चाहिए। किया गया समर्पण पैसे का हो, वक्त का हो, साथ का हो, मदद का हो या अन्य किसी भी रुप में हो सकता है। कुछ लोग समर्पण को बार-बार जताकर अनजाने में ही अपने किए हुए कार्यों को अपने ही हाथों से व्यर्थ कर देते हैं। कोई भी व्यक्ति किसी के द्वारा किए हुए समर्पण को भूलता नहीं है। अपितु समय आने पर समर्पण करने वाले के लिए दुगुना समर्पण भी अवश्य करता है।

हमारे पिता साहब की कही हुई बातें मुझे सदैव कोई न कोई विशेष मार्ग दिखाती हैं। वे हमेशा कहते थे कि कोई व्यक्ति यदि हमारे लिए अपनी उंगली कुर्बान करने की हिम्मत दिखाता है, तो हमें भी बदले में अपना शीष कुर्बान करने का जज्बा रखना चाहिए। कहने का सीधा-सीधा अर्थ यह है कि समर्पण के बदले समर्पण की भावना अवश्य होनी चाहिए। समर्पण अनमोल है अर्थात् इसका पैसे में मोल लगाना बेवकूफी के अलावा कुछ भी नहीं है।

आइए, अब हम सभी आज के इस विचार के शीर्षक के अनुसार यह चिंतन करें कि समर्पण किसके लिए किया जाना चाहिए? यदि कोई व्यक्ति हमारे मुश्किल समय में निस्वार्थ भाव से हमारे प्रति समर्पण की भावना रखता है तो उन लोगों का अहसान कभी नहीं चुकाया जा सकता। परंतु ऐसे लोगों के लिए सच्चे समर्पण की भावना तो अवश्य रख ही सकते हैं।

ईश्वर न करे कभी किसी व्यक्ति को किसी प्रकार के मुश्किल समय का सामना करना पड़े। यदि हमारे लिए समर्पण की भावना रखने वाले व्यक्ति पर कभी विपरीत समय आता है तो हमें बिना किसी सोच-विचार और संकोच के अपना समर्पण दिखाने में एक पल की भी देर नहीं करनी चाहिए। समर्पण तो दिल की एक ऐसी भावना है, जो किसी तरीके से सोच-विचार करने से अथवा कोई योजना बनाकर दिलों में उत्पन्न नहीं की जा सकती। समर्पण की भावना तो समय आने पर स्वयं ही व्यक्त हो जाती है। साथियों, सच्चा समर्पण अदृश्य ही रहता है अर्थात् यह स्पष्ट रुप से दिखाई नहीं देता। यह भले ही कर्ता द्वारा दिखाई न दे, परंतु जिसके लिए यह समर्पण किया जाता है उसके द्वारा दिल की गहराई तक महसूस अवश्य ही किया जाता है। जिस प्रकार से खुशी और प्रेम की भावना को केवल दिल से ही महसूस किया जा सकता है, ठीक उसी प्रकार से सच्चे समर्पण का आभास एक दिन अवश्य होता है। किसी कवि ने भी क्या खूब कहा है कि समर्पण का तो सौदा मत कर यार, यह तो अनमोल है, इसे अनमोल ही रहने दे। परन्तु इस कवि की यह बात शायद कुछ लोगों तक नहीं पहुंच पाई है। इसी कारण से आज भी कुछ लोग अपने समर्पण को जताते हुए उसका मूल्य वसूल करने में लगे हुए हैं। समर्पण को एक सौदा समझने वाले लोग अपने समर्पण का मूल्य तो वसूल कर लेते हैं, पर सामने वाले व्यक्ति के दिल में अपना स्थान कायम रखने में नाकामयाब ही रह जाते हैं।

इसलिए आइए हम सभी अपना सच्चा समर्पण अपने प्रियजनों के लिए अवश्य बचाकर रखें। साथ ही सदैव सच्चे समर्पण की कदर करते हुए, समर्पण करने वाले का धन्यवाद करते रहें।

धन्यवाद...

चलो फिर से एक नई शुरुआत करते है

सूरज से कुछ सीखने का प्रयत्न करते हैं,
एक नई आशा के साथ प्रयत्न करते हैं,
चलो फिर से एक नई शुरुआत करते हैं,
जिंदगी में आगे बढ़ना ही एकमात्र उपाय है,
उलझनों और समस्याओं का दूजा न पर्याय है,
गिरकर उठकर फिर गिर कर उठने की कोशिश करते है,
चलो फिर से एक नई शुरुआत करते हैं,
एक अदम्य साहस का उदाहरण देते हैं,
रो कर भी मुस्कुराने की ताकत रखते हैं,
हर परिस्थिति में जीने का जज्बा रखते हैं,
चलो फिर से एक नई शुरुआत करते हैं,

- रिया गाजीपुरे

oooooooooooooooooooooooooooooooooooo

ताकि नदी-पोखरे जिंदा रह सकें...

अपने छुटपने में अपनी दादी के साथ
नदी के तट पर आया था
वहां दहाड़ खाती, कोलाहल करती नदी थी
निर्जन-सा घाट-तट था, कुछ नावें थीं
कुछ अशिक्षित नाविक और मछुआरे थे।

अपने यौवनकाल में,
फिर उसी नदी के तट पर आया
अपनी जननी **मां** के साथ, घर अब पक्का हो गया था
नदी अब पतली हो गई थी, लगा जैसे डाइटिंग कर रही हो।

गाड़ियों का धुआं बढ़ गया था,
नदी का तट कुछ सहमा-सा था
मौन हो अपनी पीड़ा को सह रहा था,
कुछ कहने की चाह में मौन था।

आज तीस वर्षों बाद,
फिर उसी नदी के तट पर आया, अपनी पत्नी के साथ था
यहां पर लाल पत्थरों से, सजा हुआ घाट था
दूर-दूर तक सुंदर रोशनी के नजारे हैं
दूर तक फैले हुए बतियाते हुए, प्रेमी युगलों के समूह हैं
कुछ आइसक्रीम के डिब्बे हैं, कुछ कैडबरीज के रैपर हैं।

गाड़ियों की लंबी कतारें भी हैं, बहुत कोलाहल है, धुआं है
नदी अब सिमटकर, सहमकर, नाले में तब्दील हो गई है।

शायद वेंटीलेटर पर है,
अपनी अंतिम सांस को लेते हुए, जैसे कह रही है,
तुम्हें यदि नदी, पोखरों को बचाना है,
तो उसके असली स्वरुप को लाना होगा
उसे फिर से यौवन का रुप वापस करना होगा
फिर से सुनो, सुनते जाओ, नदी, पोखरों को बचाना होगा
ताकि नदी-पोखरे जिंदा रह सकें।

- राकेशधर द्विवेदी

साप्ताहिक राशिफल

मेष : आपकी शिकायत करने की आदत सही नहीं है। सावधान रहें। करियर संबंधित योजना बनाते हुए अनुभवी व जानकार लोगों से सलाह लेना हितकर रहेगा। अमीर बनने के लालच में चालू स्कीमों में पैसा लगाने से बचें।

वृषभ : काम से जुड़ा दबाव आप पर हावी नहीं होगा। किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह पर ही निवेश करें। रुके हुए काम इस सप्ताह शुरु हो सकते हैं। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वालों को आसपास के लोगों की मदद मिल सकती है।

मिथुन : लंबे समय से मार्केटिंग फील्ड ज्वॉइन करने का सपना साकार होगा। छुट्टियों पर जाना खर्चे का काम हो सकता है। अपने अतिरिक्त धन का प्रयोग आप काम के विस्तार के लिए कर सकते हैं।

कर्क : कार्यक्षेत्र में दूसरों पर हावी होने के प्रयास आप पर ही भारी पड़ सकता हैं। अप्रत्याशित आय के स्रोत मिलने के कारण आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होना मुमकिन है। सपनों के राजकुमार या राजकुमारी से मुलाकात होना संभव है। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह : करियर की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रह सकती है। शारीरिक स्वस्थता की मदद से आप हर प्रकार के मानसिक तनाव व दबाव को मात देने में सफल रहेंगे। बिजनेस से जुड़े आपके विचारों पर सफलतापूर्वक अमल करना मुमकिन होगा। यात्रा के सितारे बुलंद हैं।

कन्या : लंबी दूरी की यात्रा में सावधानी बरतनी होगी। घर-परिवार में क्लेश का माहौल बना रह सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये उतावलापन दिखाने की जरुरत नहीं। सफलता जरुर मिलेगी। आराम के महत्व को भी समझें।

तुला : मामूली बातों में उलझने से बचेंगे तो जीवन का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। निवेश को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। नकली मुखौटा पहनने से बचें, खासकर अपनी जीवनसाथी के सामने।

वृश्चिक : आपकी सामाजिक छवि को धक्का पहुंच सकता है। गैरजरुरी सामान की खरीददारी कर सकते हैं। किसी गंभीर बीमारी की समय रहते जांच हो जाने पर इलाज समय पर शुरु हो जाएगा और मुसीबत की घड़ी टल जाएगी।

धनु : व्यवसाय से जुड़े कई सपने साकार होने वाले हैं। नई नौकरी, प्रमोशन या सैलेरी बढ़ने की संभावनाएं हैं। छात्र पॉजिटिव आउटलुक व एनर्जी से ओतप्रोत रहेंगे। गप्पबाजी व अफवाहों से दूर रहें।

मकर : यह सप्ताह मेहमान नवाजी में बीतने वाला है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनलों को अपने सपने साकार करने का मौका मिल सकता है। जो कमर दर्द या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, उन्हें हर्बल ट्रीटमेंट से राहत मिलेगी।

कुंभ : आपकी मेहनत रंग लाएगी। अनअपेक्षित क्षेत्र में भी भाग्य व मेहनत के साथ देने के कारण सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंध में खुशियां बनी रहेंगी। यात्रा के दौरान परेशानी हो सकती है। गुस्से पर काबू करें।

मीन : आपकी आउट ऑफ द बॉक्स सोच आपको सफलता के रास्ते पर पहुंचाएगी। अनुभवी सहकर्मियों की मदद मिलेगी। सैलेरी भी बढ़ सकती है। लेखकों व पत्रकारों को अपने विचारों पर अमल

कोविड-१९ में मृत मरीजों का अंतिम संस्कार करने वाले
नप कर्मचारियों का कोरोना योद्धाओं के रुप में जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

गोंदिया – कोविड-१९ संक्रमणकाल के दौरान गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आने वाले विभिन्न चिकित्सालयों में करीब ८०० मरीजों की मौत हुई थी। जिनकी अंतिमक्रिया नगर परिषद के माध्यम से की गई। मृतकों की अंतिमक्रिया करने वाले कर्मचारियों को कोरोना योद्धा के रुप में जिलाधिकारी राजेश खवले व मुख्याधिकारी करण चौहान द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए प्रतिबंधक कानून १८९७ दि. १३ मार्च २०२० से जारी किया गया है। संक्रमण को रोकने के लिए विभिन्न उपाय योजना चलाई जा रही है। जिसमें गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत उपरोक्त कार्रवाई की जिम्मेदारी गोंदिया नगर परिषद की है। इस दौरान गोंदिया शहर में कोविड-१९ के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए गोंदिया नगर परिषद द्वारा विभिन्न उपाय योजना चलाई गई। जिसमें कंटेनमेंट जोन, कोविड-१९ जांच केंद्र, परिवार सर्वेक्षण, शासन केदिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन करवाना, बाजार की व्यवस्था, शहर को सेनीटाइज करने व विभिन्न उपाय योजनाओं की जनजागृति करने, टीकाकरण अभियान चलाने तथा कोविड-१९ से मौत होने वाले मरीजों की अंतिमक्रिया करने की सभी जिम्मेदारियां नगर परिषद द्वारा निभाई गई। जिस पर जिलाधिकारी गोंदिया के दिशा निर्देश अनुसार गोंदिया नगर परिषद के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारी व पदाधिकारियों को प्रोत्साहित करने तथा उनमें उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें सम्मानित किया जाए।

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत इस संक्रमणकाल में करीब ८०० मरीजों की मौत हुई थी। जिनका अंतिम संस्कार नगर परिषद के माध्यम से किया गया। जब संक्रमित मरीजों के रिश्तेदार अंतिमक्रिया करने के लिए तैयार नहीं होते थे, उस परिस्थिति में नगर परिषद कर्मचारी, अधिकारी द्वारा अंतिम संस्कार विधि पूर्वक किया गया। ऐसे कर्मचारियों को कोरोना योद्धा के रुप में जिलाधिकारी राजेश खवलें व मुख्याधिकारी करण चौहान के हस्ते २८ जून को प्रशस्तिपत्र व स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समय-समय पर अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा इस प्रकार का संबोधन जिलाधिकारी द्वारा इस अवसर पर किया गया। आयोजित कार्यक्रम में नोडल अधिकारी नप धनराज बनकर, कनिष्ठ अभियंता नप सुमेध खापर्डे तथा संपूर्ण अंतिम संस्कार करने वाला दल उपस्थित था।

राष्ट्रीय ओबीसी युवा महासंघ का राज्यव्यापी आंदोलन

उपविभागीय अधिकारी को दिया निवेदन

संतोष रोकड़े – राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ द्वारा पूरे राज्य में ओबीसी के हक के लिए राज्यव्यापी आंदोलन का आवाहन राष्ट्रीय अध्यक्ष बबनराव तायवाडे के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। जिसके अंतर्गत ओबीसी महासंघ के जिला अध्यक्ष आशीष कापगते के नेतृत्व में विभिन्न मांगों का ज्ञापन उपविभागीय अधिकारी शिल्पा सोनाले के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा गया। उपरोक्त निवेदन में ओबीसी की ३४ मांगों का समावेश है। जिसमें ओबीसी की जनगणना, स्थानीय स्वराज्य संस्था में राजकीय आरक्षण पूर्ववत करने, मराठा समाज का ओबीसी प्रवर्ग में समावेश ना

करें, ओबीसी समाज के आदिवासी बहुल जिले का आरक्षण १९ प्रश किया जाए, महाडा के अंतर्गत घरकुल योजना का लाभ, विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए शिष्यवृत्ती, स्वतंत्र आश्रमशाला की सुविधा, ओबीसी विद्यार्थियों को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्वाधार योजना लागू की जाए, महाज्योति के लिए १००० करोड़ का नियोजन, आर्थिक विकास महामंडल के लिए १००० करोड़ का नियोजन, रिक्त पदों को भरा जाए, पदोन्नति में आरक्षण लागू किया जाए, किसान व कृषि मजदूरों को उम्र के ६० वे वर्ष में पेंशन योजना लागू की जाए, लोक भाषा विद्यापीठ कि राज्य में स्थापना इस प्रकार की ३४ मांगों का निवेदन मुख्यमंत्री के नाम भेजा गया। इस अवसर पर ओबीसी महासंघ के जिला अध्यक्ष आशीष कापगते, अंकित भंडारकर, नंदकिशोर झीलपे, आकाश बिसेन, विवेक मेंढे, योगेश चौधरी, अविनाश कापगते, मीनल बहेकार, वैभव गहाने, जितेंद्र हाथझाड़े, घनश्याम सोनवाने, प्रदीप नाकाडे आदि उपस्थित थे।

शिवसेना महिलाओं का सम्मान करने वाला पक्ष -निलेश धुमाल

सेना के वर्धापन दिवस पर महिला आघाडी द्वारा ५५ कोरोना योद्धाओं का किया सत्कार

संवाददाता देवरी – शिवसेना के ५५ वे वर्धापन दिवस के अवसर पर देवरी में शिवसेना महिला आघाडी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ५५ कोरोना योद्धाओं का सत्कार किया गया। इस अवसर पर गोंदिया-भंडारा जिले के शिवसेना के समन्वयक निलेश धुमाल ने कहा कि शिवसेना यह महिलाओं का सम्मान करने वाला पक्ष है। गौरतलब है कि शिवसेना के ५५ व वर्धापन दिवस के अवसर पर शिवसेना महिला आघाडी द्वारा देवरी में आयोजित कार्यक्रम में ५५ कोरोना योद्धाओं का सत्कार गोंदिया-भंडारा शिवसेना संपर्क प्रमुख निलेश धुमाल प्रदर्शन घटक शीतलताई मंढारी, जिला प्रमुख सुरेंद्र नायडू के हस्ते स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया। आयोजित सत्कार कार्यक्रम में कोरोना योद्धाओं में नर्स नगर पंचायत की महिला सफाई कर्मचारी, आशा सेविका बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उपरोक्त कार्यक्रम में निलेश धुमाल, सौ.शीतल मंढारी, विशेष अतिथि शिवसेना जिल्हा प्रमुख सुरेन्द्र नायडू, तिरोडा विधानसभा संपर्क प्रमुख प्राविण शिंदे, अर्जुनी मोरगांव विधानसभा संपर्क प्रमुख बाला परब, सौ. शिल्पा मोरे व प्रमुख अतिथि गोंदिया जिल्हा शिवसेना महिला आघाडी जिल्हा संघटक सौ. करुणा कुर्वे, देवरी शिवसेना तहसील प्रमुख सुनिल मिश्रा, देवरी शहर प्रमुख राजा भाटीया, पंचायत समिती पूर्व उपसभापती गणेश सोनबोईर, देवरी विधानसभा संघटक राजीक खान इनकी उपस्थिती थी।

पौधे लगाना ही नहीं, उनका संवर्धन भी आवश्यक - मेश्राम

विजेंद्र मेश्राम – तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम खातिया में भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल कामठा की ओर से शाहू महाराज जयंती के अवसर पर ग्राम के समाज भवन के सम्मुख बोधिवृक्ष का पौधा लगाया गया। इस अवसर पर तालुका अध्यक्ष एन. एल. मेश्राम ने कहा कि बौद्ध धम्म में पीपल के पेड़ को बहुत महत्व है। क्योंकि इसी पीपल के वृक्ष के नीचे तथागत भगवान गौतम बुद्ध को बोधी प्राप्त हुई थी। इसी वजह से इस पेड़ को बोधिवृक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पौधे लगाना ही नहीं उनका संवर्धन भी करना अत्यंत आवश्यक है। इस आधुनिक युग में हमें पर्यावरण को बचाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना अत्यंत आवश्यक है।

उक्ताशय के उद्गार उन्होंने व्यक्त किये। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा तालुका महासचिव कोमलकुमार नंदागवली, उपाध्यक्ष मनोहर भावे, सर्कल कामठा अध्यक्ष योगीराज वंजारी, महासचिव विजेंद्र मेश्राम, उपाध्यक्ष नरेन्द्र गजभिए, महिला उपाध्यक्ष अस्मिता उके, सचिव संजय मेश्राम, संतोष उके आदि प्रमुखता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संजय मेश्राम ने किया व आभार नंदागवली ने माना।

पालक एसोसिएशन जिला गोंदिया की प्रथम वार्षिक साधारण सभा संपन्न

गोंदिया – विवेक मंदिर पेरेंट्स द्वारा स्थापित एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा स्थानीय अग्रसेन भवन में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता हर्ष अग्रवाल द्वारा की गयी। अध्यक्ष हर्ष अग्रवाल ने सभा में आये सभी पालकों का स्वागत किया। सचिव रमन चौरागड़े द्वारा पालक एसोसिएशन ने किए साल भर के कार्यों की विस्तृत जानकारी सदन को दी। पिछले वर्ष कुछ कार्य जो कोरोना की वजह से पुरे नहीं हो पाए, इस साल पूर्ण करने का संकल्प लिया। संस्था के फाउंडर मेंबर शरद काथरानी ने पालकों को उनके अधिकारों के बारे में बताया और लीगल EPTA स्कूल द्वारा फार्म करवाने को जरुरी बताया।

इस वर्ष कोरोना के कारण बच्चे स्कूल नहीं गए। पालकों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए पेरेंट एसोसिएशन ने विवेक मंदिर स्कूल के पालकों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए स्कूल फी ५० प्रतिशत लेने के लिए स्कूल मैनेजमेंट को तैयार करवाया। यह पेरेंट एसोसिएशन की सबसे बड़ी कामयाबी थी। ये सब विवेक मंदिर स्कूल पालकों के सहयोग और एकता की वजह से ही हो पाया है। साथ ही इस वर्ष विवेक मंदिर स्कूल के विद्यार्थिओ हेतु बुक बैंक उपक्रम की शुरुआत की गयीं। जिसमे विवेक मंदिर स्कूल के पालको ने अपनी पिछली कक्षा की बुक्स जमा की। उसके पश्चात उन्हें उनके नेक्सट कक्षा की बुक्स दी गई। बुक बैंक द्वारा इस वर्ष लगभग ४०० विवेक मंदिर स्कूल के विद्यार्थियों इस उपक्रम से लाभान्वित हुए हैं। किसी भी स्कूल के पालक संगठित होकर वाट्सअप ग्रुप तैयार करके एशोशिएशन से संपर्क कर सकते हैं। वे अपने बच्चों की बुक्स डोनेट कर अगले साल की बुक्स निशुल्क ले सकते है।

सभा मे उपस्थित नये पालकों द्वारा एशोशिएशन की मेम्बरशीप भी ली गई। जिसे कोषाध्यक्ष पे स्विकार किया। राजेंद्र ठाकुर द्वारा साल भर का आय और व्यय का ब्यौरा दिया गया। मंच पर अध्यक्ष हर्ष अग्रवाल, सचिव रमन चौरागड़े, कोषाध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर, एडवाइजर शरद काथरानी, मनीष चौबे, सतीश अग्रवाल, सचिन आहूजा, वैशाली खोब्रागड़े, कमलेश गौतम, संजय गणविर डेप्युटी सीईओ जिप, मनोज भांडारकर, इंद्रपालसिंग भाटिया, रितेश अग्रवाल, राजा इसरका, सुशील लोहिया, नरेंद्र मेश्राम, ललित कावरे, सुनिल रिनाईत, कृष्णा चौरागडे, संतोष आगलावे, रवि लधानी, श्याम गलानी, नितिन बिसेन और काफी पेरेंट्स उपस्थित थे।

अगले साल के लिए सर्वसमति से वैशाली खोबरागड़े को अध्यक्ष और रमन चौरागड़े को सचिव पद पर मनोनित किया गया। सचिव रमन चौरगड़े द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

अल्पसंख्यक समुदाय को मुख्य धारा में जोड़ने की कवायद - पालकमंत्री मलिक

गोंदिया शहर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी द्वारा रामनगर में पक्ष पदाधिकारियों की सभा आयोजित की गई। इस सभा में नवाब मलिक ने शासन द्वारा चलाई जाने वाली विविध योजनाओ के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मौलाना आजाद आर्थिक विकास निगम द्वारा रोजगार के लिए कम ब्याज दर पर ऋण की योजना तथा महिलाओं को बचत गट के माध्यम से रोजगार हेतु ऋण योजना का लाभ मिले। समस्त योजनाओं में लाभार्थी को इनकम २.५० लाख से बढ़ाकर ८ लाख तक की गई हैं। ५ प्रश आरक्षण के विषय में सरकार विचारधीन है। मलिक ने शरद पवार और सांसद प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में हम अपना कार्य जारी रखेंगे और अल्पसंख्यक समाज के लोगों को इन सभी योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा मिले इस हेतु प्रयासरत है। सभा में डॉ. जुनेद शेख का पालकमंत्री मलिक, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे के हस्ते सत्कार किया गया ।

इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन,विधायक मनोहर चंद्रीकापुरे, जिल्हाध्यक्ष विजय शिवनकर, अशोक सहारे, केतन तुरकर, रफीक खान, अबरार भाई, भद्दु पठान, मुजीब पठान, इकबाल सैयद, जुनेद शेख, खालिद भाई, बबा भाई, सबील कुरैशी, पाशा शेख, डॉ. कयूम खान, हाजी सैयद अकरम अली, हाजी मिसार भाई, हाजी अनवर भाई, यूनुस भाई, सरफराज हाजी, करन टेकाम, संजीव राय, चंद्रकुमार चुटे, सौरभ रोकडे, कृष्णा भांडारकर, नागो बन्सोड, मकसूद भाई, ताहिर राहिल, परवेज शेख, सैयद तौफीक, सरफराज रजा, सैयद जिया, रिजवान शेख, सैयद नौसाद अली, कपील बावनथडे, कुणाल बावनथडे व अन्य उपस्थित थे।

सामान्य बहुजन समाज को स्वाभिमान का जीवन देने वाले साहू महाराज - एन. एल. मेश्राम

संवाददाता खातिया – सर्व सामान्य बहुजन समाज को स्वाभिमान का जीवन देने वाले आरक्षण के जनक थे राजर्षी शाहू महाराज उक्त आशय के उद्गार भारतीय बौद्ध महासभा तहसील अध्यक्ष एन.एल. मेश्राम ने व्यक्त किए। वे तहसील अंतर्गत आनेवाले ग्राम शाखा अर्जुनी में भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल कामठा की ओर से आयोजित राजर्षी शाहू महाराज जयंती कार्यक्रम पर बोल रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वप्रथम छत्रपति राजर्षी शाहू महाराज के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। उसी प्रकार अन्य महापुरुषों के भी तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा तालुका के महासचिव कोमलकुमार नंदागवली, उपाध्यक्ष मनोहर भावे, सर्कल कामठा अध्यक्ष योगीराज वंजारी, उपाध्यक्ष नरेन्द्र गजभिए, महिला उपाध्यक्ष अस्मिता ऊके, सचिव संजय मेश्राम, योगेश गनवीर, संतोष ऊके आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख पदाधिकारियों ने शाहू महाराज के जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन नंदागवली ने किया आभार नरेंद्र गजभिए ने माना। इस दौरान अनेक विषयों पर चर्चा की गई जिसमें अध्यक्ष ने सभी को मार्गदर्शन किया।

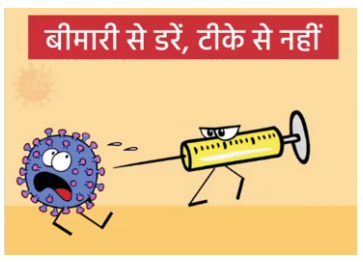

कोरोना का नया वेरिएंट डेल्टा व डेल्टा प्लस संक्रमण के चलते नई गाईडलाईन जारी

गोंदिया - महाराष्ट्र में कुछ जिलों में कोरोना संक्रमण का नया वेरिएंट डेल्टा व डेल्टा प्लस सामने आने पर तीसरे चरण की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जिसके चलते गोंदिया जिले को लेवल ३ में समावेश कर लॉकडाऊन की नई गाईडलाईन २६ जून को जिलाधिकारी व अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन राजेश खवले द्वारा जारी की गई।

नियमावली के अनुसार अतिआवश्यक सेवा के अंतर्गत आने वाले प्रतिष्ठान सुबह ७ बजे से शाम ४ बजे तक सप्ताह में पूरे दिन शुरु रहेंगे तथा अतिआवश्यक सेवा के अंतर्गत न आने वाले प्रतिष्ठान सोमवार से शुक्रवार तक सुबह ७ बजे से शाम ४ बजे तक शुरु रहेंगे। इसके साथ ही अन्य प्रतिबंधों के तहत जिन्हें पूर्ण रुप से बंद किया गया है, उसमें मॉल, सिनेमागृह, नाट्यगृह, कोचिंग क्लासेस, कंप्यूटर क्लासेस, शासकीय व अर्ध शासकीय प्रशिक्षण केंद्र, साप्ताहिक बाजार, मवेशी बाजार का समावेश है। इसके अलावा सार्वजनिक स्थान, खुले मैदान सुबह ५ बजे से ९ बजे तक शुरु रहेंगे। कोरोना के नियमों का पालन करते हुए, सभी शासकीय अर्ध शासकीय, निजी कार्यालयों में ५० प्रतिशत क्षमता के साथ शुरु रहेंगे। सभी प्रकार के सार्वजनिक कार्यक्रम सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजन सोमवार से शुक्रवार तक सभागृह की क्षमता के ५० प्रतिशत के अनुसार शाम ४.०० बजे तक, वैवाहिक कार्यक्रम में ५० व्यक्तियों की मर्यादित संख्या, अंतिम संस्कार में २० व्यक्तियों की मर्यादित संख्या तथा सभी प्रकार के निर्माण कार्य, कृषि विषयक वस्तु सेवा की दुकान शाम ४.०० बजे तक जिम, सैलून, ब्यूटी पार्लर ४.०० बजे तक ५० प्रतिशत क्षमता के साथ, सार्वजनिक प्रवासी यातायात, मालवाहक यातायात, बड़े उद्योग, लघु उद्योग, उत्पादन यूनिट नियमित शुरु रहेंगे। संचार बंदी शाम ५ बजे से सुबह ५ बजे तक के जारी की गई है। उपरोक्त आदेशों का उल्लंघन करने वालों पर आपदा व्यवस्थापन कानून के तहत कार्रवाई की जाएंगी। इस प्रकार का आदेश २६ जून को जिलाधिकारी तथा अध्यक्ष आपदा व्यवस्थापन प्राधिकरण राजेश खवले द्वारा जारी की गई है। यह आदेश २८ जून से जिले में लागू होगा। साथ ही बताया गया कि जिले की संक्रमण प्रतिशत में बदलाव व जिले का स्तर बढ़ने की स्थिति में उपरोक्त नियमों में शासन के निर्देशानुसार बदलाव किया जा सकता है। साथ ही वर्तमान में कोरोना के नए वेरिएंट डेल्टा व डेल्टा प्लस के संक्रमण का असर तेजी से बढ़ता है तथा फेफड़ों पर तेजी से फैलने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को खत्म करता है। जिससे बचने के लिए कोरोना संक्रमण बचाव के नियमों का पालन, मास्क लगाना, सैनिटाइजर का उपयोग, सामाजिक अंतर का पालन करना अनिवार्य है।

ओबीसी के राजकिय आरक्षण बचाने में राज्य की सरकार असफल

ओबीसी समाज के हितों की रक्षा के लिए और तेज आंदोलन किया जाएगा - सांसद सुनील मेढे

भाजपा ने विरोध कर किया चक्काजाम आंदोलन

गोंदिया - ओबीसी समाज के राजकिय आरक्षण को बचाने में राज्य की महाविकास आघाडी सरकार असफल साबित हुई है। जिसका विरोध वह निषेध कर आरक्षण को पूर्ववत लागू करने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी गोंदिया शहर व ग्रामीण मंडल द्वारा २६ जून को जयस्तंभ चौक पर चक्का जाम आंदोलन सांसद सुनील मेढे के नेतृत्व किया गया।

इस अवसर पर सांसद सुनील मेंढे संबोधन करते हुए कहा कि जब तक ओबीसी समाज के राजकीय आरक्षण का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक स्थानीय स्वराज संस्था के चुनाव न किए जाएं। यदि असफल राज्य सरकार द्वारा समय पर उचित कदम उठाए जाते तो ओबीसी समाज को राजकिय आरक्षण खोने की नौबत नहीं आती। तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में पहल करते हुए आरक्षण बचाने का कार्य किया था। किंतु उसके पश्चात राज्य की आघाडी सरकार द्वारा इस पर नियमानुसार समय पर कार्रवाई व पूर्तता नहीं किए जाने के चलते आरक्षण रद्द हुआ है। साथ ही सरकार के मंत्री कहते हैं कि आरक्षण का मुद्दा हल होने तक स्थानीय स्वराज संस्था के चुनाव नहीं होने देंगे। किंतु राज्य चुनाव आयोग द्वारा स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनावी कार्यक्रम घोषित किए हैं। इस पर सरकार के मंत्री चुप बैठे हैं। उन्हें त्यागपत्र देकर सरकार से बाहर आने का आहवान भी किया है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय २ महीने पूर्व आ चुका है। इस पर भी राज्य सरकार द्वारा ओबीसी समाज को राजकिय आरक्षण मिलने के लिए किसी भी प्रकार की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई है। उसकी निष्क्रियता के चलते चुनाव आयोग द्वारा चुनावी कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसका विरोध कर आज भाजपा रास्ते पर उतरकर आंदोलन कर रही है तथा भविष्य में और तेज आंदोलन करने की चेतावनी दी।

उपरोक्त आंदोलन में प्रमुख रुप से पूर्व विधायक रमेश कुथे, नेतराम कटरे, नगराध्यक्ष अशोक इंगले, संजय कुलकर्णी, शहराध्यक्ष सुनील केलनका, ग्रामीण अध्यक्ष ठाकरे, भावना कदम, संजय टेंभरे, दीपक कदम, नप सभापती राजकुमार कुथे, नप सभापती बंटी पंचबुद्धे, नंदकुमार बिसेन, अशोक चौधरी, राजेश चतुर, कृषिकांत साहू, गजेंद्र फुंडे, मनोज मेंढे, अशोक हरिणखेडे, अमित झा, सुधीर ब्राम्हणकर, योगराज रहांगडाले, संजय मुरकुटे, तिजेश गौतम, मुकेश चन्ने, चंद्रभान तरोने, माधुरी रहांगडाले, देवचंद नागपुरे, अर्जुन नागपुरे, राजेश नागरीकर, गुड्डू कारडा, पारस पुरोहित, पलाश लालवानी, प्रमिला सिंद्रामे, शंभूशरणसिंह ठाकुर, रिता सुधीर बागडे, सुशील राऊत, कुलदीप रिनाईत, सत्यम बहेकार, प्रतीक तिवारी, टिकाराम भाजीपाले, बंडू मानकर, सुनील ब्राम्हणकर, शेरसिंग कटरे, जगदीश हुमे, उमा महाजन, प्रीती बन्सोड, सुभाष बागडे, प्रीती शहारे, संदीप असाटी, धनराज रहीले, टिंगु अग्रवाल, विनोद चांदवानी, बबली ठाकूर, बंटी शर्मा, राकेश अग्रवाल, आत्माराम दसरे, रतनलाल बघेले, डॉ. मुन्नालाल तुरकर, हिरालाल टेंभरे, दलजीत मान, अर्पित पांडे, पुरुषोत्तम ठाकरे, शुभम तिवारी, ऋषभ शिवहरे, पंकज भिवगड़े, सुमित महावत, तरुण मोदी, विजय रहांगडाले, अजिंक्य इंगले, निखिल मुरकुटे, संदीप श्रीवास, नितीन भदाडे, मंगेश श्रीवास, उत्तम भगत, सुनिल टेंभरे, देवलाल पटले, बबलु राणे, राजकुमार टेकाम संतोष राहंगडाले, पुरण भंडारी, अभिलेख खोबरागड़े, टिकाराम टेंभरे, चौनलाल लिल्हारे, लक्ष्मी निर्विकार, आशा जैन, महेंद्र आबेंडारे, सुरेंद्र गेडाम आदी पदाधिकारी, लोकप्रतिनिधी व कार्यकर्ता आंदोलन शामिल थे।

खुले में धान नहीं सड़ने देंगे समय पर होंगी मिलिंग

राईस मिलर्स एसोसिएशन गोंदिया

गोंदिया जिले में खरीफ मौसम २०२०-२१ में धान की क्वालिटी खराब होने के चलते कस्टम मिलिंग में राईस मिलर को भारी नुकसान हो रहा था। जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा क्षतिपूर्ति राशि भी मंजूर की गई। किंतु यह राशि क्षतिपूर्ति के लिए अपर्याप्त है। इस कारण राईस मिलर कस्टम मिलिंग नहीं कर रहे थे। जिले में लगभग ११ लाख क्विंटल धान खुले मैदानों में केवल त्रिपाल के भरोसे असुरक्षित रखा गया था तथा मानसून के आगमन का समय हो चुका था। ऐसे में लोकप्रिय नेता सांसद प्रफुल पटेल, विधायक मनोहर चंद्रिकापूरे, अन्न व आपूर्ति मंत्रालय के सचिव विलास पाटील व जिलाधिकारी राजेश खवलें द्वारा राईस मिलर्स को प्रेरित किया कि खुले में रखा धान वर्षा में खराब होने से बचाया जाए। जिस पर राईस मिलर्स एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने संकल्प लेकर निर्णय लिया कि ११ लाख क्विंटल धान खराब नहीं होने देंगे तथा सभी ने भारी नुकसान उठाते हुए भी माह में लगभग ९ लाख कुंटल धान की मिलिंग कर दी है तथा शेष २ लाख क्विंटल धान की मिलिंग भी १ सप्ताह में कर देने का निश्चय किया है। इस पर राईस मिलर एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि उन्हें नुकसान जरुर हुआ है, किंतु एक आत्म संतुष्टि मिली है कि उन्होंने किसानों के खूनपसीने से उपज की गई लक्ष्मी को सड़ने नहीं दिया तथा प्रशासन को राईस मिलर्स एसोसिएशन ने आश्वासन दिया है कि जिले का धान किसी भी हालत में खराब होने नहीं दिया जाएगा इस प्रकार की जानकारी गोंदिया जिला राईस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है।

ओबीसी राजकीय आरक्षण रद्द होने में मोदी सरकार जिम्मेदार- डॉ.किरसान

कांग्रेस ने निषेध आंदोलन व धरना देकर किया विरोध

गोंदिया - केंद्र की मोदी सरकार की गलत नीति के चलते स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव में नागरिकों के पिछड़ा वर्ग ओबीसी समाज का आरक्षण उच्च न्यायालय में रद्द होने के चलते २६ जून को गोंदिया जिला कांग्रेस समिति, तहसील समिति द्वारा इसका निषेध कर धरना आंदोलन कर विरोध व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. नामदेवराव किरसान ने कहा कि ओबीसी का राजकीय आरक्षण रद्द होने में केंद्र की मोदी सरकार जिम्मेदार हैं।

गौरतलब है कि स्थानीय स्वराज्य चुनाव में नागरिकों के पिछड़े वर्ग ओबीसी समाज को आरक्षण प्राप्त था। जिसे सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय अनुसार रद्द किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार द्वारा ओबीसी समाज की जनसंख्या का इंपीरियल डाटा नहीं दिए जाने के चलते उपरोक्त निर्णय हुआ है। वर्ष २०११ में ओबीसी समाज की जनगणना की मांग सांसद समीर भुजबल द्वारा कर लोकसभा में प्रस्ताव रखा था। उपरोक्त प्रस्ताव पर १०० सांसदों ने अपना समर्थन दिया था। साथ ही भाजपा सांसद गोपीनाथ मुंडे ने भी भाजपा के विरोध के बावजूद इस प्रस्ताव को अपना समर्थन दिया था। जिसके चलते २ अक्टूबर २०११ को सामाजिक आर्थिक जातीनिहाय जनगणना की गई थी। उपरोक्त डाटा का संकलन करने के लिए ३ वर्ष किंतु बाद में भाजपा की मोदी सरकार द्वारा उपरोक्त डाटा को दबा कर रखा गया। इसके साथ ही तत्कालीन राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार द्वारा चुनाव के मुहाने पर ३० जुलाई को एससी, एसटी, ओबीसी लोकसंख्या के अनुसार आरक्षण देने का अध्यादेश निकाला था। एससी, एसटी की जनसंख्या प्रति १० वर्ष में होती है। लेकिन ओबीसी समाज का डाटा केंद्र सरकार द्वारा दबा कर रखा गया तथा उपरोक्त डाटा के बिना उपरोक्त प्रकरण न्यायालय में ठहर नहीं सकता था। इसकी जानकारी देवेंद्र फडणवीस को भी थी। जिसके चलते ही ओबीसी का आरक्षण रद्द हुआ।

ओबीसी समाज को सही अर्थों में आरक्षण प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी, पी.वी. नरसिम्हा राव व छगन भुजबल के प्रयासों से मिला था। लेकिन मोदी सरकार की आरक्षण विरोधी नीति के चलते ओबीसी समाज का आवश्यक डाटा सर्वोच्च न्यायालय में पेश नहीं किए जाने के चलते ओबीसी समाज का राजकीय आरक्षण रद्द किया गया है। इसके लिए तत्कालीन देवेंद्र फडणवीस सरकार व केंद्र की मोदी सरकार ही जिम्मेदार हैं। इसका विरोध कर गोंदिया जिला कांग्रेस समिति के तत्वधान में गोंदिया शहर, गोंदिया तहसील, सेवादल, महिला, युवक कांग्रेस एनएसयूआई, ओबीसी कांग्रेस, किसान कांग्रेस व सभी विभाग द्वारा २६ जून को शहीद भोला कांग्रेस भवन में सर्वप्रथम राजश्री छत्रपति शाहू महाराज की जयंती के अवसर पर प्रतिमा को माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया। जिसके पश्चात शहिद भोला भवन से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रतिमा तक पैदल मार्च कर बाबासाहब की प्रतिमा को माल्यार्पण कर ओबीसी समाज का आरक्षण रद्द होने के लिए केंद्र की मोदी सरकार व तत्कालीन देवेंद्र फडणवीस सरकार जिम्मेदार हैं, ऐसी जानकारी देकर केंद्र सरकार का निषेध कर संविधान की रक्षा के लिए शपथ ली गई तथा स्थानीय जयस्तंभ चौक पर धरना आंदोलन कर विरोध व्यक्त किया। उपरोक्त आंदोलन जिला अध्यक्ष डॉ. एन.डी. किरसान, प्रदेश सचिव अमर वराडे, जहीरभाई अहमद, सूर्यप्रकाश भगत, आलोक मोहंती, हरीश तुलसकर, अशोक (गप्पू) गुप्ता, जितेंद्र कटरे, जितेश राने, नीलम हलमारे, योगेश अग्रवाल, बाबा मिश्रा, राजकुमार पटले, बावनकर बड़ेवाले, रामेश्वर लिल्हारे, अनीता मुनेश्वर, रेखा बानेवार, आशीष नागपुरे, डॉ. लक्ष्मीकांत वाघमारे, आशीष राहंगडाले, सचिन मेश्राम, राजेंद्र तुरकर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष निर्मला मिश्रा ने कार्यकारिणी का किया गठन

गोंदिया - भाजपा महिला मोर्चा गोंदिया शहर अध्यक्ष व पार्षद निर्मला मिश्रा ने महिला मोर्चा शहर की कार्यकारिणी का गठन पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, सुनील केलनका, संजय कुलकर्णी, ठाकरे, भावना कदम, छाया दसरे, मनोज पटनायक, माधुरी हरिनखेडे, प्रमिला सिंदरामे, अफसाना पठान, रीता बागड़े आदि वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में घोषित की।

शहर अध्यक्ष निर्मला मिश्रा, महामंत्री रीता पी. डिब्बे, नीलिमा मानिकपुरी, प्रमिला सिंदरामें, नेहा राजू शर्मा, उपाध्यक्ष दीपा सुनील सहारे, रानी साहिल शेख, रुपाली योगेश रोकड़े, लता रामकुमार लालवानी, सुंदराबाई कनौजिया, पूजा नंदकिशोर डहाके, चंदा रामदेव मिश्रा, पूर्णिमा रंगारी, प्रमिला भोंगाडे, संगीता हरिनखेडे, अनुपमा पटले, सुनीता वाघमारे, स्वर्णा बहेकार, कोषाध्यक्ष दीपिका बारासकर, सचिव तानिया हरीश भागवानी, सुरेखा चौहान, रजनी सिकारिया, सरोज शरद ठाकुर, विशाखा वासनिक, प्रतिमा झिगरे, अंजू शैलेंद्र सरजारे, मनीषा पवार, सुनीता सोनवाने, निशा पाचे, रितु मंडला, प्रिया संतोष पटले, शुभांगी पाथोड़े, सुधा बनाफर, रजनी दिनेश बोपचे, सोशल मीडिया प्रमुख संध्या राजेश गंगभोज तथा विशेष आमंत्रित सदस्यों में शीलू राकेश ठाकुर, श्वेता महेंद्र पुरोहित, हेमलता पतेह, अनीता सतीश मेश्राम, रत्नमाला कृषिकांत साहू, अफसाना मुजीब पठान, आशालता दुलीचंद चौधरी, मैथुला वरलू बिसेन, वर्षा राजेश खरोले, मौसमी चौतन्य सोनछात्रा, कार्यकारिणी सदस्यों में शालिनी महारवाड़े, सारिका रविंद्र सोनी, डिलेश्वरी सुनील पटले, शाहीन बानो पठान, रंजना जगदीश मेश्राम, मेघा नरेंद्र ब्राम्हणकर, पुष्पा प्रवीण मिश्रा, स्वाति पवार, अपर्णा राने, संगीता रोकड़े, कविता कुंजाम, अनीता जीवनराम मेश्राम, दुर्गा दीपक भरने, मनीषा पवार, सरोज संजय कनौजिया, अनीता दुर्गा श्रीवास्तव, ऊषा शिवकुमार श्रीवास, वर्षा कोडेवार, नेहा पाठक, किरण हरिनखेडे, संगीता राजेश मिश्रा, नेहा वालदे, दुर्गा विकेश कापसे, किरण हाडगे, रेखा कुर्वे, लक्ष्मी चौधरी, पुष्पा रामटेके, चंदा सिंगनधुपे, शकुंतला बावरे, रेखा निमकर का समावेश है। शहर अध्यक्ष निर्मला मिश्रा द्वारा कार्यकारिणी का गठन कर किए जाने पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें व उनकी कार्यकारिणी को शुभकामना दी।

विवाद मुक्त समिति ने कराया प्रेमी युगल का अंतरजातीय विवाह

संवाददाता - देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिचगढ़ से २ किलोमीटर दूरी पर स्थित पांडरा ग्राम पंचायत में विवाद मुक्त समिति ने प्रेमी युगल का अंतरजातीय विवाह सर्वसम्मति से करवाया। जिसमें युवती का नाम सुलभा तुलसीदास वालदे तथा ग्राम ककोड़ी निवासी युवक प्रकाश रोशन गिरी दोनों में अनेक दिनों से प्रेम संबंध चल रहा था। लेकिन दोनों की जाति अलग-अलग होने के चलते दोनों पक्षों द्वारा इसका विरोध किया जा रहा था। इस प्रकरण में विवाद मुक्त समिति द्वारा उनके माता-पिता तथा रिश्तेदारों को समझाकर दोनों का ग्राम पंचायत पांडरा में विवाह संपन्न करवाया। इस अवसर पर विवाद मुक्त समिति के अध्यक्ष भोजसिंह कच्छप, सचिव अशोक सहारे, पुलिस पाटील पांडरा तथा सदस्य मोतीलाल पहिदे, इंदर अरकरा, महादेव श्यामकुंवर, भिवाजी भोयर, तानबाजी नाटके, ललित भैसारे, साईन सय्यद, रिंकेश कटकवार तथा ग्रामवासी उपस्थित थे। विवाद मुक्त समिति द्वारा नवदंपति को जीवन उपयोगी भेटवस्तू तथा ग्रामवासियों द्वारा उन्हें २०४० रुपये भेंटस्वरुप दिए।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास,
गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

पालकमंत्री के हस्ते जिला अधिकारी कार्यालय के नए सभागृह का उद्घाटन

गोंदिया जिला अधिकारी कार्यालय में नए सभागृह का उद्घाटन जिले के पालकमंत्री नवाब मलिक द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे सहेसराम कोरोटे, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिलाधिकारी राजेश खवले, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार डांगे, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, निवासी उपजिल्हाधिकारी सुभाष चौधरी, जिला पूर्ति अधिकारी देवराव वानखेड़े व अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।